Programme(कार्यक्रम):-M.A.(Hindi) स्नातकोत्तर हिन्दी

Course (पाठ्यक्रम):-HNO 204

Title of the course(पाठ्यक्रम का शीर्षक):- Western Poetics

(पाश्चात्य काव्यशास्त्र)

No. of credits (क्रेडिट):-04 (48 Hours)

Effective from Academic Year:- 2018-19

Prerequisities for the course (पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित)	पाश्चात्य विचारकों के चिंतन की संक्षिप्त जानकारी अपेक्षित है ।	
Objective (उद्देश्य)	पाश्चात्य काव्यशास्त्र के विभिन्न सिद्धांतों से विद्यार्थी परिचित हो सकेंगे । विभिन्न विचारधाराओं के सम्बन्ध में पाश्चात्य विद्वानों की दृष्टि को समझ सकेंगे ।	
Content (विषयवस्तु)	• प्लेटो : काव्य -सि ध्दान्त । • अरस्तू : अनुकरण एवं विरेचन सि ध्दान्त, त्रासदी • लोंजाइनस : उदात्त की अवधारणा । • कॉलरिज, वर्डसवर्थ : स्वच्छंदतावाद । • मैथ्यू आर्नल्ड : काव्य-सि ध्दान्त । • क्रोचे : अभिव्यंजनावाद ।	6 Hours 6 Hours 6 Hours 6 Hours 6 Hours 6 Hours

	• आई. ए. रिचर्डस : मूल्य एवं सम्प्रेषण। • टी. एस. इलियट : निर्वैयक्तिकता - सि ध्दान्त	6 Hours 6 Hours
Pedagogy अध्यापन विधि	व्याख्यान, वाद - विवाद - संवाद, संगोष्ठी प्रस्तुतिकरण	
References/reading संदर्भ-ग्रंथ	१.देवेन्द्रनाथ शर्मा : पाश्चात्य काव्यशास्त्र,नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली, 1984 । २.निर्मला जैन,कुसुम बॉठिया: पाश्चात्य साहित्य चिंतन,राजकमल प्रकाशन,दिल्ली, 2009 । ३.गणपतिचन्द्र : भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य सिद्धान्त, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2009 । ४.डॉ. सभापति मिश्र : भारतीय काव्यशास्त्र एवं पाश्चात्य साहित्य-चिंतन, जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, संस्करण 2007 । ५.तारकनाथ बाली : पाश्चात्य काव्यशास्त्र, वाणी प्रकाशन, दिल्ली,संस्करण, 2010।	

Programme(कार्यक्रम):-M.A.(Hindi) स्नातकोत्तर हिन्दी

Course (पाठ्यक्रम):-HNO -205